गण नायक बन के

गण नायक बन के,
बुध विनायक बन के,
प्रभु भक्तों के कष्ट मिटाना ॥

हे रिद्धि सिद्धि के स्वामी ।
प्रभु आप हो अन्तर्यामी ।
सुंडधारी बन के, विघनहारी बन के,
हो के मूसे पे, सवार चले आना,,,
गण नायक बन के,,,,,,,,,,,,,,

हे वक्रतुण्ड अवतारी ।
एक दंत की लीला भारी ।
गजाधारी बन के. दुःखहारी बन के,
प्रभु दुष्टों से, हमको बचाना,,,
गण नायक बन के,,,,,,,,,,,,,,

हे लम्बोदर हितकारी ।
प्रभु रखना लाज हमारी ।
तन विशाल करके, महाँकाल बन के,
प्रभु असुरों को, मार गिराना,,,
गण नायक बन के,,,,,,,,,,,,,,

तेरी जय हो गणेश जग वंदन ।
करते श्रद्धा के फूल हम अर्पण ।
महाँज्ञानी बन के, वरदानी बनके,
शुभ लाभ, हमे वि कराना,,,
गण नायक बन के,,,,,,,,,,,,,,

सुनो गणपति बिनती हमारी ।
भक्त करते गुणगान तुम्हारी ।
लड्डू मेवा धर के, लाए थाली भर के,
प्रभु भोग, स्वीकार कर लेना,,,
गण नायक बन के,,,,,,,,,,,,,,
अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/18351/title/gan-nayak-banke

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |